पाठ – 3.2

कन्यादान

EQQTDS

ऋतुराज

जीवन परिचय

ऋतुराज का जन्म सन् 1940 में भरतपुर में हुआ। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से उन्होंने अंग्रेजी में एम.ए. किया। उनकी अब तक आठ कविता संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। जिनमें 'एक मरणधर्मा और अन्य', 'पुल पर पानी', 'सुरत निरत' और 'लीला मुखारविंद' प्रमुख है। उन्हें सोमदत्त, परिमल सम्मान, मीरा पुरस्कार, पहल सम्मान तथा बिहारी पुरस्कार मिल चुके हैं। मुख्य धाराओं से अलग समाज के हाशिए के लोगों की चिंताओं को ऋतुराज ने अपने लेखन का मुख्य विषय बनाया है। उनकी कविताओं में दैनिक जीवन के अनुभवों का यथार्थ है और वे अपने आस–पास रोजमर्रा में घटित होने वाले सामाजिक शोषण और विडम्बनाओं पर निगाह डालते हैं। यही कारण है कि उनकी भाषा अपने परिवेश और लोक जीवन से जुड़ी हुई है।

कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो।

लड़की अभी सयानी नहीं थी,
अभी इतनी भोली, सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था।
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की,
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की।

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना।
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है,
जलने के लिए नहीं।

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के।

माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

शब्दार्थ

कन्यादान – कन्या का दान, **प्रामाणिक** – प्रमाण पर आधारित; **आभास** – लगना, महसूस होना; **लयबद्ध** – लय में बँधी हुई; **शाब्दिक** – शब्द से संबंधित; **रीझना** – मोहित होना।

अभ्यास

पाठ से

1. इस कविता में किसके–किसके मध्य संवाद हो रहा है?
2. लड़की को दान देते वक्त माँ को अंतिम पूँजी देने जैसा दुःख क्यों हो रहा है?
3. '' पानी में झाँककर कभी अपने चेहरे पर मत रीझना'' इस पंक्ति के माध्यम से माँ, बेटी को क्या सीख देना चाहती है?
4. कविता में माँ के अनुभवों की पीड़ा किन–किन पंक्तियों में उभरकर आई है?
5. ''लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना'' में किस–प्रकार के आदर्शों को छोड़ने और किन–किन आदर्शों को अपनाने की बात कही गई है?
6. ''पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की, कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की'' से कवि का क्या अभिप्राय है?

पाठ से आगे

1. कविता में एक माँ द्वारा अपनी बेटी को जिस तरह की सीख दी गई है, वह वर्तमान में कितनी प्रासंगिक और औचित्यपूर्ण है? समूह में विचार–विमर्श कर लिखिए।
2. विवाह में कन्या के दान की परंपरा चली आ रही है। क्या वास्तव में 'कन्या' दान की वस्तु होती है? कक्षा में चर्चा कर प्राप्त विचार को लिखिए।

EQZPFF

3. कन्यादान के साथ ही वर पक्ष को धन, कीमती वस्तुएँ आदि भी भेंट स्वरूप दी जाती हैं, जिससे दहेज नामक सामाजिक बुराई को आश्रय मिलता है। इसकी वजह से कन्या के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचती है साथ ही न केवल कन्या अपितु उसके माता–पिता को भी नाना तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कक्षा में उक्त समस्या पर सार्थक चर्चा का आयोजन कर उसका लेखन कीजिए।

4. 'महिलाओं को आदर्श छवि में बने रहने की परंपरागत हिदायत देना वास्तव में उन्हें कमजोर बनाए रखना होता है।' इस कथन के पक्ष–विपक्ष में अपने तर्क दीजिए।

6. स्वयं को सबल बनाने हेतु नारी को अपनी भूमिका में किस प्रकार के बदलाव की आवश्यकता है?

7. एक बेटे, भाई अथवा लड़की की स्वयं क्या भूमिका हो जिससे एक समाज में स्त्री के प्रति लोगों का स्वस्थ नजरिया हो।

भाषा के बारे में

ER9KH3

1. समाज में विवाह से जुड़ी सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, उम्र, रंग–रूप आदि आधारों पर तमाम रुढ़िवादी भ्रांतियाँ एवं व्यवहार आज भी प्रचलन में हैं। इन्हीं मुद्दों को रेखांकित करते हुए एक आलेख तैयार कीजिए।

2. एक ऐसी कविता की रचना कीजिए जिसमें आपकी चाहत, महत्वाकांक्षा परिलक्षित (मुखरित) होती हो।

3. अपनी बड़ी बहन के विवाह की तैयारियों संबंधी जानकारी देते हुए अपनी सहेली/दोस्त को पत्र लिखिए।

4. मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ उठाने हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय को आवेदन पत्र लिखिए।

योग्यता विस्तार

1. बेटी–बचाओ, बेटी बढ़ाओ, 'नारी शिक्षा', कन्या–भ्रूण हत्या आदि विषयों पर चर्चा कर चार्ट पेपर पर लेखन कीजिए।

2. 'स्त्री सम्माननीया है' इस आशय के श्लोक, दोहे आदि को पुस्तकालय से ढूँढ़कर पढ़िए और किन्हीं पाँच का लेखन कीजिए।

3. स्त्री को सबला बनाने हेतु विचार संबंधी दस स्लोगन बनाइए एवं उनका लेखन कीजिए।

4. (क) विवाह में 'कन्यादान' की रस्म क्यों होती है? घर के बड़ों से पता करके लिखिए।

   (ख) क्या सभी समुदायों में विवाह की रस्में समान होती हैं? अपने उत्तर के पक्ष में दो अलग–अलग समुदाय से जुड़े लोगों से जानकारी प्राप्त कीजिए और उन रस्मों के बारे में लिखिए।

ERIGIQ